

### EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 507]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 23, 2009/चैत्र 2, 1931

No. 507] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 23, 2009/CHAFTRA 2, 1931

पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

(सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग)

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 मार्च, 2009

का.आ. 818(अ) कंन्द्रीय सरकार ने, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अधिनियम, 1988 (1988 का 68) की धारा 11 के अधीन जारी भारत सरकार के तत्कालीन सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 465 (अ), तारीख 26 अप्रैल, 2002, द्वारा राजस्थान राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 76 के 220.00 कि.मी. से 580.00 कि.मी. तक के भूखंड (चितौड़गढ़-कोटा-बारन-राजस्थान/मध्य प्रदेश सीमा खंड) को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्राधिकरण कहा गया है) को सौंपा था;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय राजमार्ग फीस (दरों का निर्धारण और संग्रहण) नियम, 2008 के साथ पठित राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, राजस्थान राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 76 के बिजौलिया से खरीपुर कोटा के निकट 325.00 कि.मी. से 381.00 कि.मी. (नया चैनेज 306.926 कि.मी. से 360.429 कि.मी.) (कुल लम्बाई 53.500 किलोमीटर) तक के चार लेन वाले भूखंड के उपयोग के लिए नीचे की सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट यानों के प्रकार पर उसके स्तंभ (3), (4) और (5) में विनिर्दिष्ट दरों पर फीस उद्ग्रहीत करेगी और प्राधिकरण को विभागीय तौर पर या टेकेदार के माध्यम से शाश्वत आधार पर, उक्त फीस का संग्रहण करने के लिए प्राधिकृत करती है, अर्थात्

सार्णी								
	विशिष्टियां व र		वापसी यात्रा के लिए	एक मास में 50 यात्राओं के लिए विधि मान्य मासिक पास हेतुं यानों की फीस दर (रुपए में)				
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)				
	कार, जीप, वैन अथवा हल्के मोटर या	35	-55	1215				
2.	हल्के वाणिज्यि यान, हल्के मालवाहक यान अथवा मिनी ब	क 60 !	90	1960				
3.	बस अथवा ट्रक	125	185	4110				
4.	भारी निर्माण मशीनें अथवा अर्थ मूकिंग उपस्व अथवा बहुधुरीर		290	6445				
5.	(तीन से छह १ वाले) अधिक बड़े या सात अथवा अधिक धुरी वा	नुरी ने 235	355	7845				

[फा.सं.भाराराप्रा/13013/438/08-09/सीओ/जीसी चितौड़गढ़ (325-381)] प्रभाकर, उप-सचिव

## MINISTRY OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS

## (Department of Road Transport and Highways)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd March, 2009

S.O. 818(E).—Whereas, vide notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Road Transport and Highways, number S.O. 465 (E), dated the 26th April, 2002, issued under Section 11 of the National Highways Authority of India Act, 1988 (68 of 1988), the Central Government entrusted the stretch from Km. 220.00 Km. 580.00 (Chittorgarh-Kota-Baran-Rajasthan/Madhya Pradesh Border Section) of National Highway number 76 in the State of Rajasthan to the National Highways Authority of India (hereinafter referred to as the Authority);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7 of the National Highways Act, 1956 (48 of 1956), read with the National Highways Fee (Determination of Rates and Collection) Rules, 2008, the Central Government hereby levies the fee at the rates specified in Columns (3), (4) and (5) of the following Table, on the type of vehicles specified in column (2) thereof for use of the four-laned Bijoliya to Kharipur near Kota from km. 325.00-km. 381.00 (new chainge 306.929 to 360.429) (total length being 53.500 km) of National Highway number 76, in the State of Rajasthan and authorizes the Authority to collect in perpetuity, either through its officials or through a contractor, the said fee, namely:—

TABLE							
Sl.	Particulars of o. vehicle	for one way trip	Fee rate for vehicles for return trip in a day (in rupees)				
<u>(1)</u>	(2)	(3)	(4)	(5)			
1.	Car, Jeep Van or Light Motor Vehicle	35	55	1215			
2.	Light Commercial Vehicle, Light Goods Vehicle or Mini Bus	60	90	1960			
3.	Bus or Truck	125	185	4110			
4.	Heavy Construction Machinery(HCM) or Earth Moving Equipment (EME) or Multi Axle Vehicle (MAV) (three to six axles)		290	6445			
5.	Oversized Vehicles (seven or more axles)	235	355	7845			

[F. No. NHAI/13013/438/08-09/CO/GC Chittorgarh (325-381)] PRABHAKAR, Dy. Secy.